

शुद्ध

वकील वादी उपस्थित नहीं। वादी स्वयं भी उपस्थित नहीं। इनकी अनुपस्थिति काबत कोई कार्रवाई भी पैदा नहीं हुआ। बार-बार आवाज लगाई गई। अतः यह वाद-पत्र अदालत परकी अदालत हाजिरी में खारिज किया जाता है।

प्रावली नियम में शुमार की जाऊँ नम्बर से काम हो तथा तरीका एकमिल होकर काखिला खतर हो।

उपवर्णक अधिकारी
वाराणगर चूस